श्रीः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

श्री मुक्कुर् लक्ष्मीनृसिंहदासेन कृतम्

॥ श्रीसिंहाचल मङ्गळम् ॥

This document has been prepared by*

Sunder Kidambi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

*This was typeset using LaTeX and the **skt** font.

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ श्रीसिंहाचल मङ्गळम् ॥

सिंहशैलनिवासाय सिंहसूकर रूपिणे।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ १॥

यज्ञेशाय महेशाय सुरेशाय महात्मने।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ २॥

अक्षयायाऽप्रमेयाय निधये अक्षराय च।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ ३॥

चन्दनाङ्कित गात्राय पोत्रिणे परमात्मने।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ ४॥

श्री अक्षय तृतीयायां निजरूप धराय च।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ ५॥

यतीश्वरेणार्चिताय गतये सर्वसाक्षिणे।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ ६॥

सप्तोत्तर शतेयज्ञे स्वस्वरूप धराय च।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ ७॥

विशाखाय सुशाखाय सागरायाचलाय च।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ ८॥

श्री भूनीळा समेताय भक्तानां कामधेनवे।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ ९॥

यज्ञाय यज्ञरूपाय यज्ञिने यज्ञसाक्षिणे।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ १०॥

पद्मनाभाय देवाय पद्मगर्भाय पद्मिने।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ ११ ॥

मुक्कुर् नृसिंहदासेन सिंहाद्रीशस्य मङ्गळम्।
श्रीरङ्गयोगिकृपया प्रोक्तं सर्वार्थदायकम्॥ १२ ॥

॥ इति श्रीसिंहाचल मङ्गळम् संपूर्णम् ॥